आज की ताज़ा खबर

दैनिक भास्कर

म.प्र.: भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, रायपुर, बिलासपुर, जबलपुर, सागर, उ.प्र.: झांसी, राजस्थान: जयपुर (अलवर, सीकर), जोधपुर, उदयपुर, अजमेर, बीकानेर

भोपाल, शुक्रवार 7 जून [illegible]

ऊपर एक अखबार का एक हिस्सा दिया गया है उसे ध्यान से देखकर बताओ।

–अखबार का नाम क्या है?

–यह किस तारीख का है?

–कहाँ छपा है?

–यह अखबार और कहाँ–कहाँ से छपता है?

अपने गुरूजी या किसी परिचित से पुराने अखबार लेकर देखो। उनके बारे में यह जानकारी पता करो। यह जानकारी अखबार के मुख्य पृष्ठ पर दी होती है।

हाँ! अखबार का नाम, छपकर निकलने का स्थान तथा तारीख, हर पृष्ठ के ऊपरी भाग में छोटे अक्षरों में भी छपे रहते हैं। यहीं पृष्ठ क्रमाँक भी लिखा होता है।

अब हम देखें, कि अखबार में किस–किस तरह की खबरें छपी हैं?

अखबार में जो खबरें तुम्हें अच्छी लगें उनमें से कुछ खबरें स्वयं पढ़ो। कोई एक खबर जो तुम्हें लगता है कि सबको सुनाना चाहिए, अपने साथियों को पढ़कर सुनाओ। (बारी–बारी से सभी)

खबरों में तुमने देखा होगा, हर खबर के ऊपर बड़े अक्षरों में एक शीर्षक लिखा रहता है जैसे–

चौथ्या ने 100 लोगों को बचाया

कल्पना चावला अंतरिक्ष में उड़ी

छापे में 14 करोड़ मिले

कालाहांडी में सूखे से दो मरे

उग्रवादियों ने बस जलाई।

शीर्षक के बाद नीचे छोटे अक्षरों में खबर छपी रहती है। लेकिन ये खबरें मिलती कहाँ से हैं? किस–किस माध्यम से अखबार खबर जुगाड़ते हैं? खबरों के पास ही नाम व तारीख लिखी रहती है। साथ ही, खबर **किसने भेजी** उसका भी नाम खबर की शुरूआत में रहता है। खबर में शीर्षक के नीचे यदि लिखा हो, **होशंगाबाद, 6 मई (निज संवाददाता)**, इसका मतलब **है** कि इस खबर को भेजने वाला **होशंगाबाद**

का कोई व्यक्ति है जो इस अखबार का संवाददाता है।

कहीं–कहीं **खेल प्रतिनिधि, विधिक प्रतिनिधि, व्यापार प्रतिनिधि** आदि भी लिखा मिलता है। यह किसी खास तरह की खबरों के लिए अखबार के प्रतिनिधि होते हैं। कुछ में **भाषा, डी. पी. ए, आई. ए. एन. एस,** इस तरह का संक्षिप्त रूप लिखा होता है। यह समाचार एजेन्सी का नाम है। इनका काम अखबारों को खबरें बेचना होता है।

भारत और नेपाल में दुर्लभ प्रजातियों के पक्षियों को खतरा

काठमांडो, 2 जुलाई। (आईएएनएस)।
भारत और नेपाल से लाखों पक्षियों की तस्करी कर उन्हें पाकिस्तान और खाड़ी देशों में भेजा जा रहा है। यह तस्करी नेपाल के रास्ते हो रही है। पक्षी विज्ञानियों और संरक्षणवादियों ने चेतावनी दी है कि दोनों देशों की सरकारों ने पक्षियों के अवैध व्यापार में लगे अपराधियों के खिलाफ कड़ा रुख नहीं अपनाया तो विलुप्त हो रहे पक्षियों की पूरी प्रजातियों के खात्मे का खतरा पैदा हो सकता है। भारत में दुर्लभ पक्षियों की 1228 और नेपाल में 841 प्रजातियाँ हैं।

दिन भर से छाये बादल आखिर बरस ही पड़े

भोपाल, 25 जून (न. प्र.)
आकाश में दिन भर से छाये बादल रात्रि में अंततः बरस ही पड़े। रिमझिम बारिश ने गर्मी और उमस से तात्कालिक राहत दी। कल भी सायं तक फिर वर्षा की संभावना है। बिलासपुर, बस्तर एवं सागर संभागों में कुछ जगह, जबलपुर संभाग के एक दो स्थानों पर आज वर्षा हुई। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार कल राजधानी में दिन भर आकाश में आंशिक मेघ बने रहने व सायं वर्षा की संभावना है। राज्य के रायपुर, जबलपुर, बिलासपुर एवं बस्तर संभाग में अनेक स्थानों पर तथा रीवा, सागर संभाग के कुछ क्षेत्रों में वर्षा की संभावना है। शेष राज्य में गरज–चमक के साथ बौछार हो सकती है। आज राजधानी का अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री, इंदौर का 39.1 डिग्री, ग्वालियर का 44 डिग्री और जबलपुर का अधिकतम तापमान 38.3 डिग्री दर्ज किया गया।

इज़राइल में अखबार के प्रकाशक को आठ महीने की सज़ा

यरूशलम, 2 जुलाई (डीपीए) । इज़राइल के सबसे बड़े अखबार के प्रकाशक को एक प्रतिद्वंदी समाचार पत्र के कार्यालय में गैर कानूनी रूप से संदेश टेप करने के आरोप में आज आठ महीने की जेल की सजा सुनाई गई।

इज़राइल रेडियो के अनुसार तेल अवीव में अदालत द्वारा *मारीव* दैनिक समाचार पत्र के प्रकाशक और पूर्व मुख्य संपादक डोफेर निमरोडी को न्याय में बाधा डालने का भी दोषी ठहराया गया और चार लाख 44 हजार अमेरिकी डालर का जुर्माना देने को कहा गया।

– अलग–अलग तरह की खबरों के लिए हम अलग–अलग टोलियाँ बना सकते हैं।

एक टोली खेलों की खबर लिखेगी, एक टोली बाहर से आने वालों की खबर लिखेगी, एक टोली कक्षा चार की खबरें पता करके लिखेगी, एक टोली कक्षा पाँचवीं की खबर लिखेगी, किसी और तरीके से भी आपस में बँटवारा किया जा सकता है। कुछ साथी खबरों के चित्र बना सकते हैं।

– सब मिलकर बड़े कागज़ पर लिखोगे या अलग–अलग पन्नों में? गुरूजी/बहनजी व अपने साथियों के साथ तय करो। यदि छोटे पन्नों पर लिखो तो उन्हें बड़े चार्ट पर चिपकाकर अखबार बनाओ।

– अखबार ऐसी जगह लगाना जहाँ सभी साथी उसे पढ़ सकें।

यदि हर सप्ताह सम्भव न हो सके, तो पन्द्रह दिन में या माह में एक बार अपना अखबार ज़रूर निकालना। नया अखबार निकलने पर पुराना अखबार पास के किसी स्कूल में पढ़ने के लिए भेजा जा सकता है। उनके यहाँ का अखबार अपने स्कूल में मँगाया जा सकता है। दूसरे स्कूल के अखबार की खबरों का सार कहीं पर अपने अखबार में लिखा जा सकता है।

तुमने अखबारों में देखा होगा एक निर्धारित जगह पर लोगों की चिट्ठियाँ छपती हैं। तुम भी अपने अखबार में चिट्ठियाँ ज़रूर छापना।

पिछले पन्ने पर छपी खबरें तुमने ध्यान से पढ़ी होंगी।

– ये खबरें किन अखबारों में छपी हैं? वे कहाँ से छपते है?

– ये खबरें किस तारीख को छपी है?

– ये खबरें किन जगहों की हैं? खबरों में आई जगहों को एटलस में ढूँढो। वे कौन–से नक्शे में मिले? किस देश में है?

– इन खबरों को अखबार तक किसने पहुँचाया?

– खबरों के शीर्षक क्या हैं? शीर्षक पढ़कर बताओ खबर किसके बारे में है?

खबरों को अच्छी तरह समझकर अपने शब्दों में लिखो। मुश्किल शब्दों के अर्थ गुरुजी की मदद् से ढूँढो। खबरें तो तरह–तरह की होती है, पिछले पन्ने पर दी गई खबरें देश विदेश के कई भागों की है।

अपने स्कूल का अखबार निकालो। जब हम अपनी कक्षा की ओर से स्कूल का अखबार निकालेंगे तो उसमें खबरें अलग तरह की होंगी। खबरें स्कूल या गाँव की होगी।

क्या–क्या छप सकता है स्कूल के अखबार में?

– स्कूल में यदि कोई नए गुरूजी आए हैं या कोई नया विद्यार्थी आया है तो यह खबर छप सकती है।

– शाला में यदि बाहर से कोई अधिकारी, शिक्षक या कोई अन्य व्यक्ति तुम्हारी पढ़ाई देखने आता है, तुमसे बातचीत करता है, तो यह खबर भी छप सकती है।

– स्कूल में यदि कुछ दिन की छुट्टी होने वाली है तो यह खबर भी छपेगी।

– स्कूल में कोई नया खेल खेला गया, तो उसके बारे में भी छप सकता है

– कक्षा में स्कूल में जो घटता है, यह तो छाप ही सकते हो, यदि कक्षा और स्कूल के बारे में तुम्हारे कुछ विचार या सुझाव है, उन्हें भी छाप सकते हो।

– स्कूल के अखबार में तुम अपने गाँव मोहल्ले की खबर भी छाप सकते हो जैसे:–

– तुम्हारे गाँव या मोहल्ले में नया हैन्डपम्प लगा या पुराना हैन्डपम्प बंद पड़ा है तो यह खबर छप सकती है।

– गाँव में टीके कब लगने वाले हैं, ग्राम पंचायत या ग्राम सभा की बैठक कब होने वाले है, हुई तो क्या हुआ यह भी छाप सकते हैं ?

– गाँव की पढ़ाई पूरी करके यदि कोई बाहर पढ़ने जा रहा हो तो यह भी छाप सकते हैं।

इसके अतिरिक्त और भी कई बातें छापी जा सकती हैं। वे सारी बातें जिन्हें तुम समझते हो कि सभी लोग जानना चाहेंगे। तो फिर चलें, हम सभी मिलकर स्कूल का अखबार निकालते है–

पता है अखबार निकालने के लिए क्या–क्या करना होगा?

– सभी मिलकर अखबार का एक नाम सोच लो, फिर हर बार अखबार इसी नाम से निकलेगा।

दीया

आले में रखे दीये ने फिर से झपकी ली। ऊपर दीवार में छत के पास से दो ईंटें निकली हुई थीं। जब–जब वहां से हवा का झोंका आता, दीये की बत्ती झपक जाती और कोठरी की दीवारों पर साए से डोल जाते। थोड़ी देर बाद बत्ती अपने आप सीधी हो जाती और उस में से उठने वाली धुँए की लकीर आले को चाटती हुई फिर से ऊपर की ओर सीधे जाने लगती। नत्थू की साँस धौंकनी की तरह चल रही थी और उसे लगा कि उसकी साँस के ही कारण दीये की बत्ती झपकने लगी है।

- यह पैराग्राफ़ किसके घर के बारे में होगा? इसमें किसका विवरण है?
- धुँए की लकीर क्या कर रही थी?
- दीवारों पर साये क्यों बनते हैं?
- नत्थू कौन था? वह कहाँ बैठा था?
- फूँक से तुम क्या बुझा सकते हो? क्या–क्या उड़ा सकते हो?
- दीये के झपकी लेने का क्या मतलब है?
- अगर दीये को झपकी आ सकती है तो क्या उसे नींद भी आती होगी?
- नत्थू को क्यों लगा कि उसकी साँस से दीया झपक रहा है?
- खाली जगह में विवरण के लिए चित्र बनाओ।